जागरण

IMF को पसंद आया भारत का बजट, बजट को भविष्य-केंद्रित बताया

Publish Date:Fri, 04 Feb 2022 08:08 PM (IST) Author: Nitesh

हमें लगता है कि भारत जिस गति से विकास करने वाला है वह देश की वित्त मंत्री के अनुमानों से बहुत अलग नहीं होगी।जार्जिवा के अनुसार आइएमएफ इस तेज विकास दर को कई आंकड़ों और परिस्थितियों पर परखता है।

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने इस सप्ताह मंगलवार को भारत सरकार द्वारा अगले वित्त वर्ष के लिए पेश बजट की जमकर प्रशंसा की है। संस्था की एमडी क्रिस्टलिना जार्जिवा ने केंद्र सरकार के बजट को बेहद समझ-बूझ के साथ तैयार किया गया और भविष्य-केंद्रित बताया। उन्होंने कहा, 'हम भारत के लिए लगातार आक्रामक विकास दर की घोषणा करते रहे हैं। यह सही है कि हमने इस वर्ष के लिए पिछले अनुमान में संशोधन करते हुए उसे साढ़े नौ प्रतिशत से थोड़ा घटाते हुए नौ प्रतिशत कर दिया है। लेकिन यह भी सच है कि अगले वर्ष (2023) के लिए हमने भारत का विकास दर अनुमान थोड़ा बढ़ा दिया है।

हमें लगता है कि भारत जिस गति से विकास करने वाला है, वह देश की वित्त मंत्री के अनुमानों से बहुत अलग नहीं होगी।'जार्जिवा के अनुसार आइएमएफ इस तेज विकास दर को कई आंकड़ों और परिस्थितियों पर परखता है। आइएमएफ को लगता है कि देश ने अब तक जिस बेहतर तरीके से कोरोना महामारी का सामना और प्रबंधन किया है, वह प्रशंसनीय है। अब अगर देश अपनी मौद्रिक नीति को कड़े करता भी है तो वह किसी झटके की तरह नहीं, बल्कि सोच-विचार के बाद जनता की भलाई के लिए उठाया गया कदम होगा, जिसके प्रबंधन में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

जार्जिवा ने कहा कि वित्तीय तंत्र को कड़े करने संबंधी अब तक का कोई भी कदम उभरते बाजारों के लिए कोई बड़ी समस्या बनकर नहीं आया है। पिछले कदमों की तुलना में इस बार दरों पर कोई महत्वपूर्ण असर नहीं दिखा। इसकी मुख्य वजह यह थी कि उभरते बाजारों ने कोरोना जैसे संकट से निपटने के लिए पर्याप्त भंडार बचाकर रखा हुआ है।